हिन्दी

(दूर्वा) (पाठ 14) (आशा रानी व्होरा - बच्चों के प्रिय केशव शंकर पिल्लै)
(कक्षा 8)

प्रश्न 1:

पाठ से

(क)

गुड़ियों का संग्रह करने में केशव शंकर पिल्लै को कौन-कौन सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

(क)

गुड़ियों का संग्रह करने में केशव शंकर पिल्लै को बहुत सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा ढेर सारी गुड़ियों का संग्रह करना उनके लिए मुश्किल था। क्योंकि एक तो गुड़िया महँगी होती है, दूसरे उन्हें सुरक्षित रखने के लिए जगह भी ज्यादा चाहिए थी। देश -विदेश घूमकर गुड़ियों को इकट्ठा करना मँहगा शौक था। उन्होंने दो-चार, पाँच-दस नहीं, पाँच हजार से भी अधिक गुड़ियों का संग्रह किया है। सारी दुनिया में घूम-घूमकर विभिन्न देशों से भाँति-भाँति की रंग-बिरंगी खूबसूरत गुड़ियों का संग्रह।

(ख)

वे बाल चित्रकला प्रतियोगिता क्यों करना चाहते थे?

(ख)

बाल चित्रकला करवाकर वे दुनिया के बच्चों को एक मंच पर लाना चाहते थे, जिससे उनकी प्रतिभा को निखारा जा सके और बच्चों को अंर्तराष्ट्रीय मंच पर लाकर उनका उत्साह बढ़ाया जा सके।

(ग)

केशव शंकर पिल्लै ने बच्चों के लिए विश्व भर की चुनी हुई गुड़ियों का संग्रह क्यों किया?

(ग)

बच्चों को देश-विदेश और वहां के रीति-रिवाज और पहनावे की जानकारी देने के लिए केशव शंकर पिल्लै ने विश्व भर की गुड़ियों का संग्रह किया ।

(घ)

केशव शंकर पिल्लै हर वर्ष छुट्टियों में कैंप लगाकर सारे भारत के बच्चों को एक जगह मिलने का अवसर देकर क्या करना चाहते थे?

(घ)

केशव शंकर पिल्लै हर वर्ष छुट्टियों में कैंप लगाकर सारे भारत के बच्चों को एक जगह पर इसलिए इकट्ठा करना चाहते थे जिससे कि वे सभी एक-दूसरे को जान सके अपने -अपने रीति-रिवाजों से एक दूसरे को परिचित करा सकें।

प्रश्न 2:

तरह-तरह के काम

केशव ने कार्टून बनाना, गुड़ियों व पुस्तकों का संग्रह करना, पत्रिका में लिखना व पत्रिका निकालना, बाल चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन व बच्चों का सम्मेलन कराना जैसे तरह-तरह के काम किए। उनको किसी एक काम के लिए भी तरह-तरह के काम करने पड़े होंगे। अब बताओ कि -

(क)

कार्टून बनाने के लए उन्हें कौन-कौन से काम करने पड़े होंगे?

(क)

कार्टून बनाने के लिए केशव शंकर पिल्लै को सभी की अच्छाइयों और बुराइयों को बहुत बारीकी से देखना पड़ा होगा उसके बाद इन्होंने कार्टून बनाए और ऐसे कार्टून बनाए जिससे किसी को बुरा भी नहीं लगा और उन्होंने अपनी बात भी कह दी।

(ख)
बच्चों के लिए बाल चित्रकला प्रतियोगिता कराने के लिए क्या-क्या करना पड़ा होगा ?

(ख)
बच्चों के लिए बाल चित्रकला प्रतियोगिता कराने के लिए उन्हें देश के सभी स्कूलों में निमंत्रण पत्र भेजना पड़ा होगा हर विद्यालय से बच्चों का बुलाकर एक जगह पर विशाल प्रतियोगिता करवाने के लिए उन्हें विशाल जगह का भी इंतजाम करना पड़ा होगा।

(ग)
केशव शंकर पिल्लै की तरह कुछ और भी लोग हुए हैं जिन्होंने तरह-तरह के काम करके काफी नाम कमाया। तुम्हारी पसंद के वो कौन-कौन लोग हो सकते हैं? तुम उनमें से कुछ के नाम लिखो और उन्होंने जो कुछ विशेष काम किए हैं उनके नाम के आगे उसका भी उल्लेख करो।

(ग)
बच्चे अपने आस-पास और संपर्क में आए हुए ऐसे व्यक्तियों और उनके द्वारा किए गए कार्यों की सूची कक्षा में शिक्षक को को प्रस्तुत करेंगे।

प्रश्न 3:

घर

तुमने इस पाठ में गुड़ियाघर के बारे में पढ़ा। पता करो कि 'चिड़ियाघर', 'सिनेमाघर' और 'किताबघर' कौन और क्यों बनवाता है? तुम इनमें से अपनी पसंद के किसी एक घर के बारे में बताओ जहाँ तुम्हें जाना बेहद पसंद हो?

उत्तर 3:
मनोरंजन और ज्ञानवर्धन के लिए अनेक चीजों का निर्माण किया जाता है। ऊपर दी गई चीजों के निर्माण तथा उनका उद्देश्य निम्न है:

घर	निर्माणकर्ता	उद्देश्य
चिड़ियाघर	सरकार	मनोरंजन और ज्ञानवर्धन
सिनेमाघर	व्यापारी	मनोरंजन
किताबघर	सरकार/ व्यापारी	ज्ञानवर्धन

दूसरे हिस्से का उत्तर छात्र अपनी रूचि के अनुसार दें।

प्रश्न 4:

संग्रह की चीजें

आमतौर पर लोग अपनी मनपसंद, महत्वपूर्ण और आवश्यक चीजों का संग्रह करते हैं। नीचे कुछ चीजों के नाम दिए गए हैं। जैसे-
(क) डाक-टिकट
(ख) पुराने सिक्के
(ग) गुड़िया
(घ) महत्वपूर्ण पुस्तकें
(घ) चित्र
(च) महत्वपूर्ण व्यक्तियों के हस्तलेख
इसके अतिरिक्त भी तुम्हारे आसपास कुछ चीजें होती है जिसे लोग बेकार या अनुपयोगी समझकर कूड़ेदान या अन्य उपयुक्त जगह पर रख या फेंक देते हैं।

(क) तुम पता करो यदि उसका भी कोई संग्रह करता है तो क्यों?
(ख) उसका संग्रह करने वालों को क्या परेशानियाँ होती होंगी? (इनके उत्तर के लिए तुम बड़ों की सहायता ले सकते हो।)

उत्तर 4:

(क) आमतौर पर लोग पुराणी किताबें, डाक टिकट, सिक्के, बर्तन आदि या तो कबाड़ी को बेच देते हैं या फेंक देते हैं। कई बार इनमें ज्ञान वर्धक और दुर्लभ चीजें भी हो सकती हैं जिन्हें जानकारी न होने से फेंक दिया जाता है। लेकिन कुछ लोग उस फेंके हुए कूड़े में से पुस्तकें डाक-टिकट, चित्र तथा हस्त-लिपियों को उठा लेते हैं और अपने पास संगृहीत कर लेते हैं।
(ख) छात्र इसका उत्तर स्वयं लिखें।

प्रश्न 5:

लड़ाई भी खेल जैसी

"अनेक देशों के बच्चों की यह -फ़ौज अलग-अलग भाषा, वेशभूषा में होकर भी एक जैसी ही है। कई देशों के बच्चों को इकठ्ठा कर दो, वे खेलेंगे या लड़ेंगे और यह लड़ाई भी खेल जैसी ही होगी। वे रंग, भाषा या जाति पर कभी नहीं लड़ेंगे।"
ऊपर के वाक्यों को पढ़ो और बताओ कि-
(क) यह कब, किसने, किसमें और क्यों लिखा?
(ख) क्या लड़ाई भी खेल जैसी हो सकती है? अगर हो तो कैसे और उस खेल में तुम्हारे विचार से क्या-क्या हो सकता है।

उत्तर 5:

(क) यह 1950 में 'शंकर्स वीकली' के बाल-विशेषांक में श्री नेहरू ने लिखा था।
(ख) कई बार बच्चे खेल में दो टोली बना लेते हैं जो दो देशों की सेनाओं को दर्शाती है फिर खेल-खेल में आपस में युद्ध करते हैं। जिसमें एक सेना जीतती है तथा दूसरी हारती है। यह युद्ध मनोरंजन का एक भाग है।

प्रश्न 6:

सुबह से शाम

केशव शंकर पिल्लै बच्चों के लिए सुबह से शाम तक काम में लगे रहते थे। तुम सुबह से शाम तक कौन-कौन से काम करना चाहोगे? नीचे उपयुक्त जगह में अपनी पसंद के काम को भी लिखो और सही (✓) का निशान लगाओ। तुम उसका कारण भी बताओ।

क्रम सं.	काम का नाम	✓ या ×	कारण
(क)	खेलना		
(ख)	पढ़ना		
(ग)	चित्रकारी करना		
(घ)	----------		
(घ)	----------		
(च)	----------		

उत्तर 6:

छात्र उपरोक्त प्रश्न का उत्तर अपनी जानकारी के आधार पर दें।